

जल जीवन मशिन: राज्य में 21.20 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

चर्चा में क्यों?

12 अप्रैल, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में 'जल जीवन मशिन' के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिये चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अब तक 21 लाख 20 हजार 616 घरेलू नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं।

प्रमुख बिंदु

- घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ राज्य के 43 हजार 942 स्कूलों, 41 हजार 676 आंगनबाड़ी केंद्रों तथा 17 हजार 286 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों में टैप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है।
- जल जीवन मशिन के अंतर्गत राज्य में प्रतिव्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिये सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किये जा रहे हैं।
- इस मशिन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है।
- जल जीवन मशिन के तहत जांजगीर-चांपा जिले में सबसे अधिक 1 लाख 83 हजार 377 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं। दुसरे स्थान पर राजनांदगाँव जिला है जहाँ अब तक 1 लाख 53 हजार 811 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं।
- जल जीवन मशिन के तहत रायपुर जिले में 1 लाख 26 हजार 655, रायगढ़ में 1 लाख 20 हजार 575, धमतरी में 1 लाख 16 हजार 133, बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 2 हजार 407, कवर्धा में 1 लाख 522, महासमुंद में 97 हजार 559, बलियापुर में 92 हजार 634, बेमेतरा में 91 हजार 191, दुर्ग में 90 हजार 600 और मुंगेली जिले में 83 हजार 141 नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं।
- इसी तरह बालोद जिले में 82 हजार 508, गरियाबंद में 70 हजार 775, जशपुर में 61 हजार 034, कांकेर में 60 हजार 364, बस्तर में 58 हजार 253, कोरबा में 57 हजार 482, बलरामपुर में 57 हजार 154, सरगुजा में 55 हजार 884, सूरजपुर में 54 हजार 390, कोरिया में 52 हजार 769, कोण्डागांव में 51 हजार 399, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 24 हजार 672, बीजापुर में 21 हजार 569, सुकमा में 20 हजार 686, दंतेवाड़ा में 19 हजार 779 और नारायणपुर जिले में 13 हजार 293 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं।
- उल्लेखनीय है कि 'जल जीवन मशिन' की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर की थी। मशिन के तहत 2024 तक देश के सभी दूर-सुदूर गाँवों के हर घर तक शुद्ध पेय जल पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया। यह मशिन पेय जल को आम लोगों तक आसानी से पहुँचाने के साथ-साथ दीर्घ कालिक जल स्रोतों का निर्माण, जल संरक्षण, प्रदूषण रहित जल की पहचान, जल प्रबंधन आदि की कार्य योजना पर कार्य करता है।
- वदिति है कि इस मशिन की घोषणा के वक्त देश में 19.27 करोड़ ग्रामीण घरों में से केवल 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) घरों में ही नल से जल मुहैया हो रहा था लेकिन पछिले साढ़े तीन वर्षों के दौरान जल जीवन मशिन के तहत हर घर नल से जल पहुँचाने के अभियान में अभूतपूर्व सफलता मिली है। इसी का नतीजा है कि अब 11 करोड़ घरों में नल से जल पहुँचने लगा है।
- देश में पाँच राज्य और तीन केंद्रशासित प्रदेशों ने 100 प्रतिशत हर घर नल से जल पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली है। इन पाँच राज्यों में हरियाणा, गोवा, तेलंगाना, गुजरात और पंजाब शामिल हैं जबकि तीन केंद्रशासित प्रदेशों में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, दमन दीव और दादर नागर हवेली और पुदुच्चेरी शामिल हैं।